

स्वतंत्र चेतना 17/10/2026

नारी सशक्तीकरण से बदलेगी खेती की तस्वीर, गांवों में आएगी खुशहाली

स्वतंत्र चेतना, कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित उत्तर क्षेत्रीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी में महिला सशक्तीकरण पर विशेष सत्र आयोजित किया गया। इसमें महिला किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक, कौशल विकास, कृषि आधारित उद्यमिता और स्वरोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दिया गया। उद्यानिकी क्षेत्र में सफल मॉडलों को भी आकर्षण का केंद्र बताया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. विनय कुमार पाठक ने कहा कि महिलाओं को कृषि आधारित उद्यमों और स्वरोजगार



के अधिक अवसर उपलब्ध कराना जरूरी है। उन्होंने बताया कि दोनों विश्वविद्यालयों के बीच जल्द ही समझौता ज्ञापन (एमओयू) किया जाएगा। इससे कृषि अनुसंधान, प्रशिक्षण और तकनीकी हस्तांतरण

को बढ़ावा मिलेगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सीएसए के कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता ने कहा कि सरकारी योजनाओं, वित्तीय सहायता और बाजार से जुड़कर महिला किसान

कृषि मेले में महिला किसानों को आधुनिक तकनीक, कौशल विकास और स्वरोजगार से जोड़ने पर दिया गया जोर

अपनी आय बढ़ा सकती हैं। विश्वविद्यालय महिला किसानों को वैज्ञानिक और तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। विधायक नीलिमा कटियार ने महिला सशक्तीकरण को ग्रामीण विकास का महत्वपूर्ण आधार बताया। उन्होंने कहा कि महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने से परिवार और गांवों की खुशहाली का रास्ता खुलेगा।

दिनभर चले मेले में 8500 से अधिक लोग पहुंचे। किसानों और विद्यार्थियों ने कृषि विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों, आधुनिक तकनीकों और कृषि आधारित उद्यमों के बारे में जानकारी हासिल की। आयोजन का उद्देश्य किसानों तक वैज्ञानिक खेती की जानकारी पहुंचाने के साथ महिलाओं को आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रोत्साहित करना रहा। प्रसार निदेशक डॉ. विवेक कुमार त्रिपाठी ने बताया कि मेले में विभिन्न जिलों से आई महिला किसानों के साथ शहर के कई विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने भी भाग लिया। विद्यार्थियों ने कृषि से जुड़ी गतिविधियों और तकनीकों की जानकारी प्राप्त की।

कृषि नवाचार को सीएसए व सीएसजेएमयू करेंगे करार

किसान मेले के **महिला सशक्तीकरण** सत्र में की गई घोषणा



किसान मेला में बोलते सीएसजेएमयू की कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक। मंचासीन विधायक नीलिमा कटियार व अन्य • प्रबन्धन

जागरण संवाददाता, कानपुर: चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) और छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) के बीच जल्द ही समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर होंगे। इसके तहत दोनों विश्वविद्यालय कृषि अनुसंधान, शिक्षा, प्रशिक्षण और नवीन तकनीकों के हस्तांतरण के क्षेत्र में संयुक्त रूप से कार्य करेंगे। यह घोषणा शुक्रवार को सीएसए में आयोजित उत्तर क्षेत्रीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी के दौरान महिला सशक्तीकरण पर आयोजित विशेष सत्र में मुख्य अतिथि व सीएसजेएमयू के कुलपति डा. विनय कुमार पाठक ने की।

उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में महिलाओं को उद्यमिता, कौशल विकास और स्वरोजगार से जोड़ना समय की जरूरत है। इससे उनकी



सीएसए में आयोजित किसान मेले में लगे स्टाल पर जानकारी लेते किसान • जागरण

आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और वे परिवार के साथ समाज के विकास में भी अधिक प्रभावी भूमिका निभा सकेंगी। अध्यक्षता कर रहे सीएसए के कुलपति डा. संजीव गुप्ता ने कहा कि कौशल विकास प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता, वैज्ञानिक मार्गदर्शन और उत्पादों के लिए बेहतर बाजार उपलब्ध कराकर महिलाओं को

आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। विधायक नीलिमा कटियार, सरसौल की ब्लाक प्रमुख डा. विजयरत्ना तोमर, गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डा. सीमा सोनकर, कृषि संकाय के अधिष्ठाता डा. कौशल तथा निदेशक प्रसार एवं उद्यान संकाय के अधिष्ठाता डा. विवेक कुमार त्रिपाठी मौजूद रहे।

लिखे छंद खेतों पे, हम सबने नोकों से



कवि सम्मेलन में मंच पर उपस्थित कवि • सीएसए

कानपुर: मेला प्रांगण में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन हुआ। मंचस्थ कवियों ने छंदबद्ध गीतों, गजलों और अन्य छंदों के माध्यम से काव्य-पाठ किया। कवि जयराम जय ने अपने नवगीत सबने अपनी राह में हैं, वो दिए कांटे, दर्द सबका कौन अब बांटे... सुनाकर श्रोताओं को प्रभावित किया। डा. अजय अटल ने नयन में सागर है, वरना अश्रु नमकीन नहीं होते, कंठ में करुणा है, वरना गीत गमगीन नहीं होते... सुनाकर गीत की संवेदना और उसकी अभिव्यक्ति को रेखांकित

किया। नीरू श्रीवास्तव ने मुक्तक डरे आधी न तूफ़ान से, न पुरवाई के झोंकों से, लिखे हैं छंद खेतों पे, यहां हम सबने नोकों से... सुनाकर राष्ट्र की समृद्धि और घरती की उर्वरता का गुणगान किया। मुरली कबीर ने होंट गाते रहे दर्द की दास्तां, आप सुनते रहे, मैं सुनाता रहा... सुनाकर समकालीन जीवन की विडंबनाओं और अंतर्मन की पीड़ा बयां की। कवयित्री सुमनलता सचान, हास्य कवि अमित अननपद, डा. अजय अटल, सतीश कुमार सिंह ने काव्यपाठ किया। (वि.)

छेने के तरल से बनाया गोलगप्पे का पानी

कानपुर: कालेज आफ डेयरी टेक्नोलॉजी, इटावा के छात्र निखिल पटेल और साहिल पटेल ने पनीर बनाने के दौरान निकलने वाले छेने के पानी (छे) से गोलगप्पों का पानी तैयार किया, जबकि उसकी भरावन में पनीर का उपयोग कर इसे अधिक पोषिक और चटकारेदार बनाया। निखिल

पटेल ने बताया कि छेने का पानी प्रोटीन और अन्य पोषक तत्वों से भरपूर होता है, लेकिन अधिकांश जगह इसका उपयोग नहीं हो पाता। इसी कारण इसे गोलगप्पों के पानी में प्रयोग कर पोषण बढ़ाने का प्रयास किया गया। छात्रों ने पनीर और नारियल से पोषिक बर्फी भी तैयार की। जास

महिलाओं को कृषि आधारित उद्यमिता, कौशल विकास एवं स्वरोजगार से जोड़ना आवश्यक

□ उद्यानिकी में रूफ टॉप मॉडल रहा आकर्षण का केंद्र

कानपुर, 16 अक्टूबर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय परिसर में चल रहे उत्तर क्षेत्रीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी में आज महिला सशक्तिकरण पर एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कृषि एवं कृषि से संबद्ध गतिविधियों में महिलाओं की भूमिका, कृषि आधारित आजीविका के अवसर, आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने, मूल्य संवर्धन, खाद्य प्रसंस्करण, पोषण चाटिका, उद्यमिता विकास तथा कृषि उत्पादों के विपणन के माध्यम से महिलाओं की आय में वृद्धि जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्य अतिथि डॉ. विनय कुमार पाठक ने महिला सशक्तिकरण पर विशेष बल देते हुए कहा कि महिलाओं को कृषि आधारित उद्यमिता, कौशल विकास एवं स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ना समय की आवश्यकता है। इससे न केवल उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी, बल्कि वे परिवार एवं समाज के विकास में भी अधिक प्रभावी भूमिका निभा सकेंगी। दोनों विश्वविद्यालय के मध्य शीघ्र ही एक समझौता ज्ञापन पर



कार्यक्रम में शामिल कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता व अन्य।

दो दिनों में 40 लाख से अधिक बीजों की हुई बिक्री

हस्ताक्षर किए जाएंगे। इस समझौते के माध्यम से दोनों विश्वविद्यालय कृषि क्षेत्र में परस्पर सहयोग को बढ़ावा देते हुए अनुसंधान, शिक्षा, प्रशिक्षण तथा नवीन तकनीकों के हस्तांतरण की दिशा में संयुक्त रूप से कार्य करेंगे। विधायक नीलिमा कटियार ने कृषि लागत को कम करने के साथ फसलों की पैदावार बढ़ाये जाने पर प्रकाश डाला। खेती में नवाचार, ड्रोन तकनीकी से भरपूर

विश्वविद्यालय की ओर से महिला कृषकों को आवश्यक वैज्ञानिक एवं तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराने का आश्वासन भी दिया। किसान मेले में आज दूसरे दिन भी काफी भीड़ रही। दो दिनों में 40 लाख रुपये से अधिक बीजों की बिक्री हुई है। इस दौरान निदेशक वी. के. त्रिपाठी, डॉ. सीमा सोनकर, अधिष्ठाता, गृह विज्ञान महाविद्यालय तथा डॉ. कौशल कुमार, अधिष्ठाता, कृषि संकाय उपस्थित रहे।

इस्तेमाल पर जोर दिया, ताकि किसानों आय भी दोगुनी होगी। सरसौल, ब्लॉक प्रमुख डॉ. विजय रत्ना तोमर ने संदेश दिया गया कि महिला सशक्तिकरण कृषि विकास और ग्रामीण समृद्धि का एक महत्वपूर्ण आधार है। महिलाओं को वैज्ञानिक तकनीकों, प्रशिक्षण, वित्तीय संसाधनों एवं बाजार से जोड़कर न केवल उनकी आय में वृद्धि की जा सकती है, बल्कि कृषि को अधिक टिकाऊ, समावेशी एवं लाभकारी बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम उठाए जा सकते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. संजीव गुप्ता ने कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए भारत सरकार द्वारा संचालित अंत्योदय योजना सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ महिलाओं तक प्रभावी ढंग से पहुंचाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को विभिन्न योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराने, कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करने, वित्तीय सहायता से जोड़ने तथा उनके उत्पादों के लिए उपयुक्त बाजार उपलब्ध कराने से उनके सामाजिक एवं आर्थिक विकास को गति मिलेगी। उन्होंने

राष्ट्रीय स्वरूप

जानकारी दी गई। निवेश पर अधिक लाभ मिलने की बात विवेचना के क्रम में "Sadbhavana Solution" सामग्री बरामद की गई।

किसान मेला में महिला सशक्तिकरण सत्र में उद्यानिकी रूफ टॉप मॉडल बना आकर्षण केंद्र

कानपुर सीएसए में आयोजित किए जा रहे उत्तर क्षेत्रीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण पर एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया। सत्र का मुख्य उद्देश्य कृषि क्षेत्र में महिलाओं के महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित करना, उन्हें आधुनिक कृषि तकनीकों एवं वैज्ञानिक पद्धतियों से जोड़ना तथा आर्थिक एवं सामाजिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. विनय कुमार पाठक, कुलपति, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर रहे, जबकि अध्यक्षता डॉ. संजीव गुप्ता, कुलपति, चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर ने की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में नीलिमा कटियार, विधायक, कल्याणपुर, कानपुर; डॉ. विजय रत्ना तोमर, ब्लॉक प्रमुख, सरसौल; डॉ. सीमा सोनकर, अधिष्ठाता,

गृह विज्ञान महाविद्यालय तथा डॉ. कौशल कुमार, अधिष्ठाता, कृषि संकाय उपस्थित

किए जाएंगे। इस समझौते के माध्यम से दोनों विश्वविद्यालय कृषि क्षेत्र में परस्पर



रहे। किसान मेले के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे डॉ. विवेक कुमार त्रिपाठी, निदेशक प्रसार एवं अधिष्ठाता, उद्यान संकाय भी मंचासीन रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. विनय कुमार पाठक ने अपने संबोधन में बताया कि दोनों विश्वविद्यालय के मध्य शीघ्र ही एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर

सहयोग को बढ़ावा देते हुए अनुसंधान, शिक्षा, प्रशिक्षण तथा नवीन तकनीकों के हस्तांतरण की दिशा में संयुक्त रूप से कार्य करेंगे। उन्होंने महिला सशक्तिकरण पर विशेष बल देते हुए कहा कि महिलाओं को कृषि आधारित उद्यमिता, कौशल विकास एवं स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ना समय की आवश्यकता है। इससे न केवल

उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी, बल्कि वे परिवार एवं समाज के विकास में भी अधिक प्रभावी भूमिका निभा सकेंगी। कार्यक्रम में विभिन्न जनपदों से बड़ी संख्या में महिला कृषकों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। इस अवसर पर कृषि एवं कृषि से संबद्ध गतिविधियों में महिलाओं की भूमिका, कृषि आधारित आजीविका के अवसर, आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने, मूल्य संवर्धन, खाद्य प्रसंस्करण, पोषण वाटिका, उद्यमिता विकास तथा कृषि उत्पादों के विपणन के माध्यम से महिलाओं की आय में वृद्धि जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. संजीव गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए भारत सरकार द्वारा संचालित अंत्योदय योजना सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ महिलाओं तक प्रभावी ढंग से पहुंचाना आवश्यक है।

किसान मेले में महिला सशक्तिकरण पर जोर कृषि अनुसंधान के लिए सीएसजेएमयू और सीएसएयू के बीच होगा एमओयू



(संवाददाता दीक्षालय प्रवाह)

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर में आयोजित तीन दिवसीय उत्तर क्षेत्रीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी के दूसरे दिन महिला सशक्तिकरण पर केंद्रित विशेष सत्र मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा, जिसमें छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. विनय कुमार पाठक और सी.एस.ए. विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता की गरिमामयी उपस्थिति में दोनों संस्थानों के मध्य कृषि अनुसंधान एवं तकनीकी हस्तांतरण हेतु शीघ्र एमओयू

साइन किए जाने की घोषणा की गई। विधायक नीलिमा कटियार समेत अन्य गणमान्य अतिथियों की मौजूदगी में आयोजित इस सत्र में विभिन्न जनपदों से आई महिला कृषकों को कृषि आधारित उद्यमिता, मूल्य संवर्धन, खाद्य प्रसंस्करण और पोषण वाटिका के माध्यम से आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दिया गया, वहीं दूसरी ओर मेले के इस विशेष आकर्षण में उद्यानिकी के रूफ टॉप मॉडल और कृषि विज्ञान की नवीन तकनीकों को देखने के लिए छात्रों व किसानों समेत साढ़े आठ हजार से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।

क

3



कान
अव
अभि
नगर
चेवि
उपा
के
अभि
बाति
स्वा
के
सुरा
कर
सार्व
वाल
और
साथ
निज
सत्य
जा

द बैनर 17/10/2026

खेती से आत्मनिर्भरता की उड़ान भरेंगी महिलाएं

द बैनर न्यूज

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित उत्तर क्षेत्रीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी में महिला सशक्तीकरण पर विशेष सत्र हुआ। इसमें महिला किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक, कौशल



विकास, कृषि आधारित उद्यमिता और स्वरोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दिया गया। उद्यानिकी में रूफ टॉप मॉडल आकर्षण का केंद्र रहा।

मुख्य अतिथि छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. विनय कुमार पाठक ने कहा कि महिलाओं को कृषि आधारित उद्यमों और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना जरूरी है। उन्होंने बताया कि दोनों विश्वविद्यालयों के बीच जल्द ही एमओयू किया जाएगा, जिससे कृषि अनुसंधान, प्रशिक्षण और तकनीकी हस्तांतरण को बढ़ावा मिलेगा। अध्यक्षता कर रहे सीएसए के कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता ने कहा कि महिलाओं को सरकारी

योजनाओं, वित्तीय सहायता और बाजार से जोड़कर उनकी आय बढ़ाई जा सकती है। विश्वविद्यालय महिला किसानों को वैज्ञानिक एवं तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराएगा। विधायक नीलिमा कटियार समेत अन्य अतिथियों ने भी महिला सशक्तीकरण को ग्रामीण विकास का अहम आधार बताया। निदेशक प्रसार डॉ. विवेक कुमार त्रिपाठी ने बताया कि मेले में विभिन्न जिलों की महिला किसानों के साथ शहर के कई स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने भी प्रतिभाग किया। दिनभर में 8,500 से अधिक लोग मेले में पहुंचे और विश्वविद्यालय की कृषि संबंधी गतिविधियों की जानकारी ली।

सत्य का असर समाचार पत्र

17 अक्टूबर 2026 संपर्क सूत्र 9956 8340 16

पत्रकार जितेंद्र कुमार सिंह पटेल

कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय में उत्तर क्षेत्रीय किसान मेला: महिला सशक्तिकरण पर विशेष सत्र, रूफ टॉप मॉडल बना आकर्षण का केंद्र।

कानपुर कृषि विवि में महिला किसान सत्र – CSJMU के साथ होगा MOU, 8500 से अधिक ने किया प्रतिभाग।



किसान मेले में महिलाओं को उद्यमिता का मंत्र, डॉ. विनय पाठक बोले- कृषि से आत्मनिर्भर बनेंगी महिलाएं।

पत्रकार जितेंद्र कुमार सिंह पटेल कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर में चल रहे *तीन दिवसीय उत्तर क्षेत्रीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी* के दूसरे दिन *महिला सशक्तिकरण पर विशेष सत्र* का आयोजन किया गया। सत्र का उद्देश्य कृषि में महिलाओं के योगदान को रेखांकित करना और उन्हें आधुनिक तकनीक व उद्यमिता से जोड़ना रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि *डॉ. विनय कुमार पाठक, कुलपति, CSJMU कानपुर* रहे, अध्यक्षता *डॉ. संजीव गुप्ता, कुलपति, CSA विवि* ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक *श्रीमती नीलिमा कटियार*, ब्लॉक प्रमुख *डॉ. विजय रत्ना तोमर*, अधिष्ठाता *डॉ. सीमा सोनकर* व *डॉ. कौशल कुमार* मौजूद रहे। मंच पर निदेशक प्रसार *डॉ. विवेक कुमार त्रिपाठी* भी रहे। मुख्य अतिथि डॉ. पाठक ने कहा

कि जल्द ही *CSJMU और CSA के बीच MOU* होगा, जिससे अनुसंधान, शिक्षा और तकनीक हस्तांतरण में संयुक्त कार्य होगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं को कृषि उद्यमिता, कौशल विकास और स्वरोजगार से जोड़ना समय की जरूरत है। कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता ने कहा कि *अंत्योदय योजना* सहित सरकारी योजनाओं का लाभ महिलाओं तक पहुंचाना जरूरी है। विवि महिला किसानों को वैज्ञानिक सहयोग देता रहेगा। निदेशक प्रसार डॉ. वीके त्रिपाठी ने बताया कि आज मेले में *साढ़े आठ हजार से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें कानपुर के स्कूली बच्चों ने भी विवि की गतिविधियों को जाना। इस दौरान उद्यानिकी का रूफ टॉप मॉडल*, पोषण वाटिका, मूल्य संवर्धन, खाद्य प्रसंस्करण और उत्पादों के विपणन जैसे विषय आकर्षण का केंद्र रहे पत्रकार: जितेंद्र कुमार सिंह पटेल | 9956 834016

जैविक किट से बढ़ेगी मिट्टी की उर्वरकता, पौष्टिक होंगे खाद्यान्न

सीएसए विवि में किसान मेला का दूसरा दिन, महिला सशक्तिकरण पर विशेष सत्र

आयोजन

कानपुर, प्रमुख संवाददाता। रसायनिक खाद, पेस्टीसाइड, कीटनाशक जैसे कई छिड़काव करने के बजाए सिर्फ एक जैविक किट न सिर्फ मिट्टी की उर्वरकता को बढ़ाएगी बल्कि खाद्यान्न व सब्जियों की पौष्टिक बनाएगी। इस विशेष सॉयल सेफ किट को इकोसेफ एग्रीसाइंस ने तैयार किया है। डॉ. एके सिंह ने बताया कि 2000 रुपये की किट को एक एकड़ में छिड़काव से फसल को सभी तरह की बीमारियों से दूर रखा जा सकेगा। इसके साथ ही कीटों के हमले से सुरक्षित रखने के साथ मिट्टी की उर्वरक क्षमता भी बढ़ेगी। अभी तक किसान इन सुविधाओं के लिए 20 से 25 हजार रुपये तक खर्च करते हैं।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) में चल रहे किसान मेले के दूसरे दिन महिला सशक्तिकरण का विशेष सत्र आयोजित हुआ। इसका शुभारंभ छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक, विधायक नीलिमा कटियार और सीएसए विवि के कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता ने किया। अतिथियों ने विभिन्न स्टॉलों का निरीक्षण कर नवाचार को



सीएसजेएमयू के कुलपति ने मेले में पहुंचकर बढ़ाया उत्साह। • हिन्दुस्तान

छात्रों ने बनाई मक्का छीलने की मशीन

सीएसए विवि के इटावा इंजीनियरिंग कॉलेज के बीटेक अंतिम वर्ष के छात्र सौरभ सोनी, ललित मोहन, मो. दानिश व राज देवेंद्र ने विद्युत चालित मक्का छीलने की मशीन बनाई है। इसके पेटेंट के लिए आवेदन किया गया है। डॉ. एनके शर्मा ने बताया कि यह मशीन एक घंटे में 8 से 10 कुंतल मक्का के दाने अलग कर देती है।

जाना। प्रो. पाठक ने कहा कि दोनों विवि के बीच जल्द एक समझौता किया जाएगा। जिसके माध्यम से दोनों विवि कृषि क्षेत्र में परस्पर सहयोग को बढ़ावा देते हुए अनुसंधान, शिक्षा, प्रशिक्षण तथा नवीन तकनीकों के हस्तांतरण की दिशा में संयुक्त रूप से कार्य करेंगे।

इंजीनियरिंग छोड़ तैयार कर रहे आलू के बीज

इटावा के नावली गांव निवासी शिवम कुमार तिवारी ने सीएसए विवि से मैकेनिकल इंजीनियरिंग की डिग्री लेने के बजाए खेती को अपना करियर बनाया। शिवम ने करीब 200 एकड़ में टिश्यू कल्चर लेब में आलू की 17 प्रजातियों के उन्नत बीज तैयार किया, जो किसानों के साथ कई मल्टीनेशनल कंपनियों की पहली पसंद बन गया है। शिवम ने बताया कि वर्तमान में करीब डेढ़ करोड़ रुपये का सालाना लाभ है।

श्रीअन्न से तैयार फास्टफूड की रही मांग

कृषि विज्ञान केंद्र, दिलीप नगर के वैज्ञानिकों ने श्रीअन्न से तैयार फास्टफूड का प्रदर्शन किया, जिसकी युवाओं में अधिक मांग दिखी। प्रभारी डॉ. अजय कुमार सिंह ने बताया कि श्रीअन्न से डोसा व उपमा की सामग्री के साथ पौष्टिक बेसन तैयार किया है। वहीं, किसानों ने उन्नत प्रजातियों के बीज की खरीदारी भी की।

नींबू और संतरे से बड़ा ग्रेप फ्रूट रस से भरा

आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि, अयोध्या के स्टॉल पर रखे ग्रेप फ्रूट आकर्षण का केंद्र रहा। निदेशक प्रसार डॉ. आरबी सिंह ने बताया कि यह नींबू और संतरे की प्रजाति का है लेकिन आकार में अधिक बड़ा है। यह मीठा होने के साथ रसभरा है। इसका उपयोग जूस में किया जाता है।

उन्होंने कहा कि महिलाओं को कृषि आधारित उद्यमिता, कौशल विकास एवं स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ना समय की आवश्यकता है। डॉ. संजीव गुप्ता ने कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए अंत्योदय योजना सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ

महिलाओं तक प्रभावी ढंग से पहुंचाना आवश्यक है। निदेशक प्रसार डॉ. वीके त्रिपाठी ने बताया कि बड़ी संख्या में कानपुर के विभिन्न स्कूलों के छात्र छात्राओं ने भी हिस्सा लिया। डॉ. विजय रत्ना तोमर, डॉ. सीमा सोनकर, डॉ. कौशल कुमार, डॉ. खलील खान रहे।

तीन दिवसीय उत्तर क्षेत्रीय किसान मेला में महिला सशक्तिकरण पर हुआ विशेष सत्र

अनवर अशरफ

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर में आयोजित किए जा रहे उत्तर क्षेत्रीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी के अंतर्गत आज महिला सशक्तिकरण पर एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया। सत्र का मुख्य उद्देश्य कृषि क्षेत्र में महिलाओं के महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित करना, उन्हें आधुनिक कृषि तकनीकों एवं वैज्ञानिक पद्धतियों से जोड़ना तथा आर्थिक एवं सामाजिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. विनय कुमार पाठक, कुलपति, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर रहे, जबकि अध्यक्षता डॉ. संजीव गुप्ता, कुलपति, चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर ने की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती नीलिमा कटियार, विधायक, कल्याणपुर, कानपुर; डॉ. विजय रत्ना तोमर, ब्लॉक प्रमुख, सरसौल; डॉ. सीमा सोनकर, अधिष्ठाता, गृह विज्ञान महाविद्यालय तथा डॉ. कौशल कुमार, अधिष्ठाता, कृषि संकाय उपस्थित रहे। किसान मेले के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे डॉ. विवेक कुमार त्रिपाठी, निदेशक प्रसार एवं अधिष्ठाता, उद्यान संकाय भी मंचासीन रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. विनय कुमार पाठक ने अपने संबोधन में बताया कि दोनों विश्वविद्यालय के मध्य शीघ्र ही एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। इस समझौते के माध्यम से दोनों विश्वविद्यालय कृषि क्षेत्र में परस्पर सहयोग को बढ़ावा देते हुए अनुसंधान,



शिक्षा, प्रशिक्षण तथा नवीन तकनीकों के हस्तांतरण की दिशा में संयुक्त रूप से कार्य करेंगे। उन्होंने महिला सशक्तिकरण पर विशेष बल देते हुए कहा कि महिलाओं को कृषि आधारित उद्यमिता, कौशल विकास एवं स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ना समय की आवश्यकता है। इससे न केवल उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी, बल्कि वे परिवार एवं समाज के विकास में भी अधिक प्रभावी भूमिका निभा सकेंगी।

कार्यक्रम में विभिन्न जनपदों से बड़ी संख्या में महिला कृषकों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। इस अवसर पर कृषि एवं कृषि से संबद्ध गतिविधियों में महिलाओं की भूमिका, कृषि आधारित आजीविका के अवसर, आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने, मूल्य संवर्धन, खाद्य प्रसंस्करण, पोषण वाटिका, उद्यमिता विकास तथा कृषि उत्पादों के विपणन के माध्यम से महिलाओं की आय में वृद्धि जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. संजीव गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए भारत सरकार द्वारा संचालित अंत्योदय योजना सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ महिलाओं तक प्रभावी ढंग से पहुंचाना आवश्यक है।

आयोजन

पति संग की खेती-किसानी, अब सिखा रहीं किचन गार्डनिंग, सीएसए के किसान मेले में दिखी महिला सशक्तिकरण की झलक

घूंघट की ओट में बोए संघर्ष के बीज, उगी स्वावलंबन की फसल

माई सिटी रिपोर्टर

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) में चल रहे किसान मेले के दूसरे दिन महिला सशक्तिकरण की मिसाल प्रस्तुत की। घूंघट की ओट से निकल महिलाओं ने न केवल खेतों पर काम किया बल्कि अब गांव की अन्य महिलाओं को किचन गार्डनिंग और एक्वेरियम बनाना सिखा रही हैं।

कानपुर देहात से आई नीतू देवी कहती हैं कि 2017 से पति के साथ खेत में काम करने की हिम्मत जुटाई। अपनी बात रखी तो घर वाले नाराज हुए। पति का सहयोग रहा तो इजाजत मिली लेकिन घूंघट के भीतर काम करने की। खुद खेती करने से फायदा हुआ। चार बेटियों को पढ़ा रही हैं। एक बेटा



सीएसजेएमयू के कुलपति को किया गया सम्मानित। स्रोत: सीएसए

बीएड कर चुकी है। नीतू गांव की महिलाओं को किचन गार्डनिंग का काम सिखाती हैं। उनके साथ आई उमा कहती हैं कि घर से लेकर खेत तक की जिम्मेदारी संभालती हैं। जैविक और प्राकृतिक खेती पर जोर देती हैं।



नीतू।



उमा।

इकोसेफ एग्रीसाइंस ने विशेष सॉयल सेफ किट को तैयार किया है। डॉ. एके सिंह ने बताया कि 2000 रुपये की किट को एक एकड़ में छिड़काव से फसल को सभी तरह की बीमारियां, कीटों के हमले से सुरक्षित रखने के साथ मिट्टी की उर्वरक क्षमता भी बढ़ेगी। सीएसए विवि के इटावा इंजीनियरिंग कॉलेज के बीटेक अंतिम वर्ष के छात्र सौरभ सोनी, ललित मोहन, मो. दानिशा व राज

देवेंद्र ने विद्युत चालित मक्का छीलने की मशीन बनाई है। मशीन एक घंटे में 8 से 10 क्विंटल मक्का के दाने अलग कर देती है।

सीएसए-सीएसजेएमयू करेंगे एमओयू महिला सशक्तिकरण के विशेष सत्र का शुभारंभ सीएसजेएमयू के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक, विधायक नीलिमा कटियार और सीएसए विवि के कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता ने किया। प्रो. पाठक ने कहा कि दोनों विवि के बीच जल्द एक समझौता किया जाएगा जिससे कृषि क्षेत्र में परस्पर सहयोग को बढ़ावा देते हुए अनुसंधान, शिक्षा, प्रशिक्षण तथा नवीन तकनीकों के हस्तांतरण की दिशा में संयुक्त रूप से कार्य करेंगे। इस मौके पर डॉ. विजय रत्ना तोमर, डॉ. सीमा सोनकर, डॉ. कौशल कुमार, डॉ. खलील खान आदि मौजूद रहे।